**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**राज्‍य सभा**

तारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 160

उत्‍तर देने की तारीख: 27.12.2018

**डिजिटल-कक्षाएं**

**\*160. श्री सुशील कुमार गुप्ताः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि मंत्रालय ने सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को अध्यापन-कार्य तथा स्कूल बस्तों के वजन को विनियमित करने हेतु दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश देते हुए एक परिपत्र जारी किया है;

(ख) यदि हां, तो स्कूल बस्तों का कक्षा-वार कितना-कितना अधिकतम वजन निर्धारित किया गया है; और

(ग) क्या सरकार की डिजिटल कक्षाओं की शुरुआत करके इस बोझ को कम करने का कोई प्रस्ताव है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्री प्रकाश जावडेकर)**

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**\*\*\*\*\***

**'डिजिटल-कक्षाओं' के संबंध में माननीय संसद सदस्‍य श्री सुशील कुमार गुप्‍ता द्वारा दिनांक 27.12.2018 को राज्‍य सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्‍न सं. 160 के भाग (क) से (ग) के उत्‍तर में उल्‍लिखित विवरण।**

(क) से (ग): नि:शुल्‍क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 में प्रारंभिक शिक्षा (8वीं कक्षा तक) के पूरा होने तक 6 से 14 आयु वर्ग के बच्‍चों के लिए आसपड़ोस के स्‍कूल में नि:शुल्‍क एवं अनिवार्य शिक्षा पाने के अधिकार की व्‍यवस्‍था है। आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 29(1) में यह उल्‍लेख किया गया है कि प्रारंभिक शिक्षा के लिए पाठ्यचर्या और मूल्‍यांकन प्रक्रिया उपयुक्‍त सरकार द्वारा, अधिसूचना के माध्‍यम से निर्धारित किए जाने वाले शैक्षिक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित की जाएगी। केंद्र सरकार, केंद्र सरकार, या बिना विधानमंडल वाले, संघ राज्‍य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा स्‍थापित, स्‍वामित्‍व वाले और नियंत्रित स्‍कूल के संबंध में ही उपयुक्‍त सरकार है। अन्‍य मामलों में, राज्‍य सरकारें और संघ राज्‍य सरकारें जहां विधानमंडल हैं, उनके क्षेत्र में स्‍थापित स्‍कूल के संबंध में उपयुक्‍त सरकारें हैं।

एनसीईआरटी द्वारा बनाए गए राष्‍ट्रीय पाठ्यचर्या कार्यढ़ांचा (एनसीएफ) – 2005 के अनुसार, कार्य पर समय की अवधारणा ऐसे कुल समय पता लगाने के लिए अनिवार्य गणक (रेकनर) है जो बच्‍चों ने सक्रिय रूप से अधिगम में बिताया है। इसमें श्रवण, पठन, लेखन, कार्यकलाप करना और विचार विमर्श आदि पर व्‍यतीत किया गया समय शामिल है। बच्‍चों के लिए विशेष रूप से बहुग्रेड कक्षाओं, अधिगम कार्यकलापों की आयोजना और उन्‍हें डिजाइन करने की जरूरत है जिससे यह सुनिश्चित हो कि बच्‍चों का अधिकतम समय कार्य पर लगे। छात्रों से जो कुल अध्‍ययन समय फेस-टू-फेस और स्‍व-अध्‍ययन अथवा गृह कार्य में क्षेत्रों में अपेक्षित है, उसकी गणना उन छात्रों, जो विशेष रूप से क्‍योंकि वे उच्‍चतर ग्रेड में जा रहे हैं, के अध्‍ययन पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या की आयोजना करते समय की जाती है।

इसके अतिरिक्‍त, एनसीएफ, 2005 में सभी स्‍कूलों से कक्षा I और II में किसी भी प्रकार का गृह कार्य न देने की सिफारिश की गई है। साथ ही, कक्षा-III से प्रति सप्‍ताह दो घंटे के गृहकार्य की सिफारिश की जाती है। मिडिल स्‍कूल के लिए, एक दिन में एक घंटे का गृह कार्य निर्धारित है (सप्‍ताह में लगभग पांच से छह घंटे)। माध्‍यमिक और उच्‍चतर माध्‍यमिक कक्षाओं के लिए, एक दिन में दो घंटे का गृह कार्य निर्धारित है (सप्‍ताह में लगभग दस से बारह घंटे)।

राष्‍ट्रीय पाठ्यचर्या कार्यढ़ांचा (एनसीएफ) – 2005 में ‘भारमुक्‍त अध्‍ययन’ नामक यशपाल समिति रिपोर्ट (1993) को देखते हुए पाठ्यचर्या भार से संबंधित मामले का समाधान भी किया गया है। एनसीएफ में यह उल्‍लेख किया गया है कि बोझिल विश्‍वकोश प्रकार की सूचना से भरी पाठ्यपुस्‍तकों के कारण ‘भारी स्‍कूल बैग’ शारीरिक असुविधा का सामान्‍य स्रोत है। इस समस्‍या का समाधान करने के लिए, एनसीएफ ने रटने की पद्धति से अध्‍ययन में जाने, स्‍कूल से बाहर के जीवन से ज्ञान को जोड़ने, पाठ्यपुस्‍तक केन्द्रिक रहने के बजाय बच्‍चों के समग्र विकास के लिए पाठ्यचर्या को पोषित करने और परीक्षा को अधिक लचीला बनाने और कक्षा जीवन में एकीकृत करने पर जोर दिया है।

एनसीईआरटी ने इस संदर्भ में निम्‍नलिखित पहलें की हैं:

(i) नई पाठ्यचर्या और पाठ्यपुस्‍तकें, पाठ्यचर्या संबंधी भार पर एनसीएफ 2005 परिप्रेक्ष्य को परिलक्षित करती हैं और ये परस्पर संवादात्मक और बाल केन्द्रित शिक्षाशास्‍त्र पर आधारित हैं। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्‍तकें और अन्‍य शिक्षण अध्‍ययन सामाग्री इसकी वेबसाइट www.ncert.nic.in पर उपलब्‍ध है।

(ii) एनसीईआरटी ने पूर्व बाल शिक्षा के लिए कोई पाठ्यपुस्‍तक विकसित नहीं की है (एलकेजी, यूकेजी)।

(iii) एनसीईआरटी ने कक्षा । और ।। के लिए केवल दो पाठ्यपुस्‍तकों (भाषा और गणित) और कक्षा III से V के लिए तीन पाठ्यपुस्‍तकों (भाषा, ईवीएस और गणित) की सिफारिश की है।

(iv) एनसीएफ 2005 ने यह सुझाव दिया है कि स्‍कूलों को उनकी लचीली समय तालिका विकसित करने की स्‍वायत्‍ता दी जानी चाहिए जिससे स्‍कूल कार्यकलाप करने के लिए छात्रों को अधिक समय देते हुए और अवधारणा की गहरी समझ विकसित करते हुए प्रतिदिन दो या तीन विषय पढ़ा सके। एनसीईआरटी शिक्षक और स्‍कूल प्रमुख के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम से संबंधित मामले का समाधान करती है।

खुले आईसीटी संसाधनों (शिक्षण-अधिगम) को छात्रों, शिक्षकों और अन्‍य पक्षकारों तक पहुंचाने के लिए एनसीईआरटी ने नेशनल रिपॉजिटरी ऑफ ओपन एजुकेशनल रिर्सोसेज (एनआरओईआर) शुरू किया है। एक अन्‍य मंच ‘ई-पाठशाला’ है जिसमें छात्रों और शिक्षकों के लिए ई-संसाधन है। छात्रों के लिए ई-संसाधनों में कक्षा-I से XII तक के सभी विषयों की ई-पुस्‍तकें, ई-विषय (अर्थात् श्रव्‍य, दृश्‍य, संपर्क सामग्री, पाठ्यचित्र, नक्‍शे) प्रश्‍न बैंक, विभिन्‍न विषयों में ई-पाठ्यक्रम आदि शामिल हैं।

केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के ‘प्रोजेक्‍ट-ई-प्रजना’ के तहत डिजिटल प्रयास के रूप में 25 क्षेत्रों में 5076 छात्रों को गणित और विज्ञान विषयों के ई-पाठ्यक्रम के साथ तैयार किये गये टच टेबलेट दिए गए हैं। इन केंद्रीय विद्यालयों के शिक्षक कक्षा में पढ़ाने के लिए इन टेबलेट का प्रयोग कर रहे हैं।

केंद्रीय माध्‍यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 13 अगस्‍त, 2018 के परिपत्र द्वारा स्‍कूलों को यह सुनिश्‍चित करने का परामर्श दिया है कि कक्षा II तक के छात्रों को कोई गृह कार्य न दिया जाए। बोर्ड द्वारा स्‍कूल बैग के भार को कम करने के लिए एनसीईआरटी पाठ्यचर्या के अनुसार, कक्षा I-VIII में निर्धारित की जाने वाली पाठ्यपुस्‍तकों की संख्‍या विहित करते हुए परिपत्र जारी किए गए हैं।

तथापि, यह देखा गया है कि स्‍कूल विशेष रूप से निजी स्‍कूल उपरोक्‍त सलाह का पालन नहीं कर रहे हैं और बच्‍चों के लिए अतिरिक्‍त पुस्‍तकों और गृह कार्यों की सिफारिश करते हैं। इसको देखते हुए, केन्‍द्र सरकार ने इस मामले में माननीय मद्रास उच्‍च न्‍यायालय न्‍यायाधिकरण के एम. पुरूषोतमन बनाम भारत संघ और अन्‍य - 2017 की रिट याचिका 25680 में दिनांक 29.05.2018 के आदेश के अनुपालन में सभी राज्‍यों और संघ राज्‍यक्षेत्रों को दिनांक 05/10/2018 को पत्र जारी किया है।

**\*\*\*\*\***